9-4-21 zoom- 17 - 4:27

यही गाना फकीरे खां पोरवर ने गाया यह भी एक सिंधी कलाम था माई भंगी के काफी बोल सकते है इसके बोल है यार ना मझीया इसल्या

9-4-21 zoom no. 18 — 9:06

यह गाना पोरवर गांव के साथी कलाकारो ने गाया जिसमे कुरदरखां फकीरे खां पप्पू खां और ढोलक साथी सलीम खां इसमे पहले जो कुछ दोहे बताए वह हिर राझा का किस्सा बताया गया और उसके बाद गाना गाया जिसके बोल है कबूतर अबर दे उडन थोडे आयो

zoom (18) (19)

कलाकार कुरसे खां पप्पू खां फकीरे खां द्वारा एक भोमिया की सावली भोमिया जो देवी देवताओ के गीत होते है उसे हम सावली बोलते है यह सावली इनने पोरवर गांव के लालसिंह को गाई लाल सिंह भोमिया पोरवर गांव के जाने माने जाते है लोग उनकी पूजा करते है पोरवर गाव के निकट उसका स्थान है।